

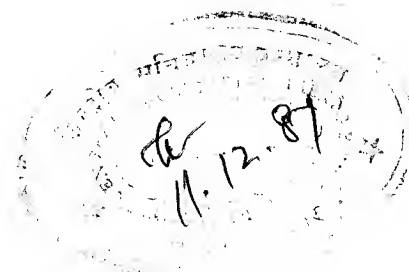


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 443]
No. 443]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 31, 1987/भद्र 9, 1909
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 31, 1987/BHADRA 9, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1987

अधिसूचना

सा. का. नि. सं. 739(अ):—केन्द्रीय सरकार, सरकारी वचन पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इंदिरा विकास पत्र नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम इंदिरा विकास पत्र (तीसरा संशोधन) नियम, 1987 है।
- (2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- (2) इंदिरा विकास पत्र नियम, 1986 के नियम 8 में, उप-नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थातः—

“(3) 31 मार्च 1987 को या उसके पूर्व क्रय किए गए पत्रों की दशा में पत्र के प्रारंभिक विक्रय मूल्य पर 14.87 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से चक्रवृद्धि ब्याज प्रत्येक वर्ष के अंत में प्रोद्भूत हुआ समझा जाएगा, जो तत्समय प्रवृत्त किसी विधि

के अधीन सुसंगत निर्धारण वर्ष धारक द्वारा संदेय कर के प्रयोजन के लिए डाकघर से पत्र के प्रारंभिक क्रय की तारीख से पांचवें वर्ष के अन्त तक परिगणित किया गया होगा।

- (4) 1 अप्रैल, 1987 को या उसके पश्चात् क्रय किए गए पत्र की दशा में पत्र के प्रारंभिक विक्रय मूल्य पर 13.43 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से चक्रवृद्धि ब्याज प्रत्येक वर्ष के अन्त में प्रोद्भूत हुआ समझा जाएगा, जो तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन सुसंगत निर्धारण वर्ष में धारक द्वारा संदेय कर के प्रयोजन के लिए डाकघर से पत्र के प्रारंभिक क्रय की तारीख से पांचवें वर्ष के अन्त तक परिगणित किया गया होगा।”

[एक. सं. 3/17/87-एन एच]
के. एस. शास्त्री, अपर सचिव

टिप्पणः—मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 1183(अ) तारीख 5-11-87 द्वारा प्रकाशित और सा. का. नि. 1252(अ) तारीख 5-12-86, सा. का. नि. सं. 355(अ.) तारीख 1-4-87 और सा.का.नि. सं. 408(अ.) तारीख 20-4-87 द्वारा संशोधित किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 31st August, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. No. 739(E).—In exercise of the powers conferred by section 12 of the Government Savings Certificates Act, 1959 (46 of 1959), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indira Vikas Patra Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indira Vikas Patra (Third Amendment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 8 of the Indira Vikas Patra Rules, 1986, after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely :—

“(3) In the case of certificate purchased on or before the 31st March, 1987, interest at the rate 14.87 per cent per annum compound on the initial sale value of the certificate shall be deemed to have accrued at

the end of each year, calculated from the date of initial purchase of the certificate from the Post Office upto the end of the fifth year for the purpose of tax payable by a holder in the relevant assessment year under any law for the time being in force.

(4) In the case of certificate purchased on or after the 1st April, 1987 interest at the rate of 13.43 per cent per annum compound on the initial sale value of the certificate shall be deemed to have accrued at the end of each year, calculated from the date of initial purchase of the certificate from the Post Office upto the end of the fifth year for the purpose of tax payable by a holder in the relevant assessment year under any law for the time being in force.”

[F. No. 3/17/87-NS]

K. S. SASTRY, Addl. Secy.

Note :—The principal rules were published vide Notification No. GSR 1183(E) dated 5-11-86 and amended vide GSR No. 1252(E) dated 5-12-86, GSR No. 355(E) dated 1-4-87 and GSR No. 408(E) dated 20-4-87.